



पाँच लड़कियों ने मिलकर मुझे चोदा -4

“रात को प्रियन्का को चोदनेके बाद जब मैं सो कर उठा तो मेरे आसपास कोई लड़की नहीं थी। मैं टॉयलेट गया तो सिकदा नंगी होकर अन्दर घुस आई और अपनी चूत मेरे मुख के सामने कर दी... उसके बाद सिकदा की बिनचुदी चूत को मैंने कैसे चोदा, कहानी पढ़ कर मज़ा लीजिए... ..”

Story By: शरद सक्सेना (saxena1973)

Posted: Tuesday, July 21st, 2015

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [पाँच लड़कियों ने मिलकर मुझे चोदा -4](#)

पाँच लड़कियों ने मिलकर मुझे चोदा -4

प्रियंका को चोदने के बाद मुझे थकान आ जाने के कारण कब नींद आ गई मुझे पता ही नहीं चला।

जब मेरी नींद खुली तो लगभग दोपहर हो चुकी थी। रात को मैं नंगा सोया था, लेकिन जब मेरी नींद खुली तो मेरे ऊपर चादर ढकी हुई थी, लेकिन मैं पूरी तरह नंगा था।

चूँकि मुझमें रात की खुमारी भी थी और आलस्य भी आ रहा था तो मैंने अपनी आँखे बन्द कर ली और प्रियंका के साथ हुई चुदाई को सोच कर आनन्द ले रहा था।

अचानक मुझे लड़कियों का ध्यान आया तो मैंने आँखे खोली तो कमरे में बड़ी शांति सी छाई हुई थी।

मैंने चारों ओर देखा तो मुझे कोई नहीं दिखा।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

तभी मेरे पेट में गुड़गुड़ाहट शुरू हुई। मैं उठा और वाशरूम में टट्टी करने के लिये भागा, लेकिन ज्यों ही मैं अन्दर जाकर दरवाजा बन्द करने के लिये दरवाजे पर हाथ लगाया तो वहाँ से दरवाजा ही नदारद था, हे भगवान, तो क्या इन लोगों ने वाशरूम का दरवाजा जानबूझ कर हटाया था, ताकि जो कोई जो कुछ भी करे दूसरे उसे असानी से देख सके। लेकिन मेरे पेट का हाल बुरा होने के कारण और कुछ भी सोचने का वक्त नहीं था मैं भी सीधे सीट पर जाकर बैठ गया और अपनी आँख मूँद कर अपने को हल्का करने लगा।

तभी मुझे खरखराने की आवाज आई... देखा तो मेरे सामने झीने लाल गाऊन में सिकदा चौखट पर टेक लेकर खड़ी है उसके उस गाउन से उसका पूरा नंगा शरीर असानी से देखा जा सकता था।

मुझे इस तरह निहारते देखकर बोली- क्यों दरवाजा बन्द करके टट्टी नहीं कर सकते हो ?

मैं सकपका गया और अपने सर को नीचे झुका लिया ।

फिर वो पास आकर बोली- क्यों रात में प्रियंका को चोदने में मज़ा आया ? बुर तो उसकी फाड़ ही और गाण्ड का भी बाजा बजा दिया ?

कहकर सिकदा ने अपना गाउन उतार फेंका और मेरे जांघों पर अपने कोमल पैरों को रखकर चढ़ गई और मेरे होंठ जब उसकी बुर के मुहाने पर आया तो उसने मेरे बाल को जोर से पकड़ते हुए मेरे मुँह को बुर से सटाते हुए रगड़ने लगी ।

इधर मेरा प्रेशर बहुत तेज बन रहा था और उधर सिकदा अपनी चूत को जोर से रगड़ रही थी, इस वजह से पड़-पड़ की आवाज के साथ मेरा पेट खाली हो गया, लेकिन बाथरूम तेज बदबू से भर गया, उसी समय सिकदा बोली- कैसे हगते हो ? कितनी बदबू आ रही है ।

मुझे बहुत गुस्सा आया, मैं उसे लगभग धक्का देते हुए बोला- चल उतर, अबे तेरे हगने में क्या गुलाब की खुशबू आती है ? चल हट अब मुझे गाण्ड धोने दो ।

‘क्या लौड़े के... क्या गुस्सा करता है । चल मैं तेरी गाण्ड धो देती हूँ, मुझे मूत भी लगी है । चल अपनी मूत से तेरी गाण्ड भी धो देती हूँ और मूत करके अपने को हल्का कर लेती हूँ ।’ कहकर के उसने फ्लश चला दिया, मुझे खड़ा होने का इशारा किया, कम्बोड को सीट से ढका और उस पर मुझे झुकने के लिये बोली ।

मैं झुका तो उसने मेरी गाण्ड से अपनी चूत को मिलाने की कोशिश की लेकिन हार्डट के कारण मैं थोड़ा उँचा हो रहा था तो वो मुझे घुटने के बल होने को बोली और मेरी कमर को पकड़ कर मेरी गाण्ड को अपने बुर से सेट किया । फिर मेरी गाण्ड की उभार को पकड़ते हुए बोली- चल मैं मूत रही हूँ, तुम अपनी गाण्ड साफ कर लो ।

‘अभी तू मेरी गाण्ड धोने के लिये बोल रही थी और अब अपनी बात से पलट मत !’

‘अरे नहीं मेरे राजा, ऐसी बात नहीं है अगर मैंने तुम्हारी गाण्ड नहीं फैलाई तो इसका छेद नहीं खुलेगा। या तो तुम अपने गाण्ड को खोलो या फिर अपनी गाण्ड खुद धो ?

मैंने उसकी बात मानी और अपनी गाण्ड को फैलाया ताकि उसे गाण्ड धोने में आसानी हो। फिर सिकदा ने अपने बुर का नल खोला यानि वो पेशाब करते हुए मेरी गाण्ड धोने लगी, उसके पेशाब का गर्म-गर्म पानी मेरी गाण्ड में पड़ रहा था और इस वजह से मेरी गाण्ड में सुरसुराहट हो रही थी, लेकिन मजा भी खूब आ रहा था।

मेरी गाण्ड धोने के बाद वो अपने हाथ धोने लगी, तभी मेरी नजर उसकी गाण्ड पर पड़ी, क्या गद्देदार गाड़ थी उसकी ! मेरी उँगली अपने आप ही उसके गाण्ड के छेद को ढूँढने लगी।

सिकदा को मेरे मन का अहसास हो गया, उसने अपने आप को थोड़ा सा झुकाया ताकि मैं उसकी गाण्ड में उँगली आसानी से डाल सकूँ।

मैंने उसकी गाण्ड में जैसे ही उँगली डाली, वो थोड़ा-सा कसमसाई और अपनी गाण्ड को हिलाने-डुलाने लगी, जिससे मेरी उँगली भी एक जगह स्थिर न होकर उसके गाण्ड की गहराइयों में डूब-उतर रही थी।

जब मेरा जिस्म उसके जिस्म से सटा तो उसके बदन की खुशबू मुझे मदहोश कर देने के लिये काफी थी, बिल्कुल उस सुबह की खिले हुए फूल की तरह जिसकी सुगन्ध चारों ओर फैल जाती है।

मैंने उसके कन्धों को चूमते हुए पूछा- क्या तुम सभी अभी भी अनचुदी हो या केवल प्रियंका ही अनचुदी थी।

उसने उल्टा ही मुझसे पूछ लिया- तुम्हें क्या लगता है ?

उसके इस प्रश्न से मुझे उत्तर मिल गया था कि जितनी कन्या है वो सब अनचुदी हैं।

‘क्या तुम लड़कियों को कभी लण्ड को बुर में लेने की इच्छा नहीं हुई ?’

किस आदमी को बुर और किस औरत या लड़की को लण्ड की जरूरत नहीं होती ? पर हमने अपने ऊपर संयम रखा हुआ था ।’

‘तब अब संयम क्यों तोड़ दिया ?’

जब तुम सो रहे थे तो प्रियंका ने ही कहा- यह अच्छा मौका है क्योंकि हम सभी अपने को स्ट्रॉंग कर रखा है ताकि कोई हमें आफिस में अपनी रखैल न समझ कर जब चाहे तब चोदे, इस वजह से आज तक आफिस या इस कालोनी का कोई बन्दा हम लोगों को टच नहीं कर पाया है, पर रात को तुम्हारा लण्ड देखकर हम सब की नियत खराब हो गई और हमने इसका फायदा उठाने की सोची... और वैसे भी हम लोग रोज रात को सेक्स का मजा तो लेते ही हैं, पर अधूरा और अब हमारी लण्ड को अपने बुर में लेने की भी इच्छा पूरी हो जायेगी ।

‘लेकिन जब पहली बार लौड़ा बुर में जाता है तो खूब खून निकलता है । प्रियंका ने यह तो बताया होगा ?’

‘हाँ, आज सुबह प्रियंका ने भी बताया और हम सब को भी मालूम है ।’

उसकी इन बातों को सुनकर मैंने उसकी गाण्ड को कस कर मींजते हुए पूछा- अच्छा यह बताओ कि बाकी सब कहाँ हैं ?

‘बाकी सब अपने काम पर गई हैं और आज से सभी एक हफ्ते के लिये छुट्टी की एप्लीकेशन देकर आयेंगी ।’

‘और तुम ?’

‘मुझे यहाँ तुम्हें चोदने के लिये छोड़ दिया है । सभी कह रही थी कि मेरी आज से एक हफ्ते की छुट्टी । आज उन्होंने मुझे तुम्हारे शरीर के एक एक रस का मजा लेने के लिये शाम तक छोड़ दिया है ।’

‘लेकिन मुझे भूख लगी है ।’

‘ठीक है तुम तब तक नहा लो और मैं जाकर बाजार से कुछ अच्छा सा खाने के लिये ले आती हूँ।’

कह कर उसने वहीं से जाली दार बैंगनी रंग की पैन्टी लेकर पहन ली और उसी रंग की खूबसूरत ब्रा पहनी, सफ़ेद ब्लाउज़, पेटिकोट और इसके बाद बहुत ही खूबसूरत सफ़ेद साड़ी जिसके किनारे पर गोल्डन बार्डर लगा था, पहन ली।

और हल्का सा मेक अप करके जब वो घूमी तो मैं उसे देखता ही रह गया क्या कयामत लग रही थी।

जितनी खूबसूरत वो अपने नग्न अवस्था में थी उससे कहीं ज्यादा वो उस पोशाक में सेक्सी लग रही थी।

उसने मेरे लण्ड को पकड़ कर पूछा- कैसी लग रही हूँ ?

मैं उसे देखते देखते ही बोला- तुम तो सेक्स की देवी लग रही हो, तुमको इन कपड़ों में देखकर मेरी पेट की भूख तो मिट गई लेकिन चोदन भूख सताने लगी है, मन कर रहा है कि तुम्हें इसी समय तुम्हारी इस साड़ी को ऊपर करके चोदन भूख मिटा लूँ फिर पेट की भूख मिटाऊँ।

मेरा इतना कहना था कि सिकदा तुरन्त ही अपनी साड़ी ऊपर करके बोली- तो देर किस बात की है मेरे राजा ? मैं भी बेकरार हूँ चुदने के लिये और तुम भी बेकरार हो चोदने के लिये... लो आ जाओ मेरी मुनिया में अपने लौड़े को डाल दो।

मैं उसके समीप जाकर घुटने के बल बैठकर उसकी बुर को चूमते हुए बोला- जाओ, पहले बाजार में अपने जलवे बिखेरो, मैं तो अब से सात दिन तक तुम लोगों का हूँ। और सही में मुझे भूख बहुत तेज लगी है।

सिकदा खाना लेने बाहर चली गई और मैं अपने शरीर में पाउडर और सेन्ट का छिड़काव करके अपने आपको सिकदा के लिये तैयार कर रहा था।

कुछ ही देर में सिकदा खाना लेकर आ गई, उस समय मैं कैपरी और सैन्डो कट बनियान में था।

हम दोनों ने मिलकर खाना खाया और खाना खाते-खाते मैंने उससे उसके जाब के बारे में पूछता रहा और इधर-उधर की बात करता रहा। फिर हम लोग छत पर टहलने के लिये चले गये।

उस समय मौसम भी बड़ा ही खूबसूरत था और मेरी बाँहों में खूबसूरत लड़की!

सिकदा रेलिंग से लग कर खड़ी थी और मैं उसे पीछे से पकड़े खड़ा था और बीच-बीच में उसके कन्धों को चूम लेता था और वो अपने हाथ को पीछे करके मेरे लिंग को पकड़ती या सहलाती थी।

हम दोनों की इन हरकतों से दोनों की ही रगों का खून जोर मारने लगा, जिससे उत्तेजना बढ़ने लगी।

धीरे से मैं अपनी उँगली को उसकी नाभि में डालकर घुमाने लगा।

अब सिकदा ने रेलिंग का सहारा छोड़ कर मेरे ऊपर अपना पूरा वजन डाल दिया और आँख बन्द करके आँहें भर रही थी या कहिये कि सिसया रही थी और मेरे लण्ड को जोर-जोर से दबाने लगी।

मैं भी उसको कस कर जकड़ कर चूमने लगा।

यह मौसम की मस्ती ही थी कि हम दोनों को होश नहीं था कि हम लोग खुली छत पर हैं और आस-पास में और भी घर हैं।

मैंने सिकदा को अपनी ओर घुमाया और घुटने के बल बैठ कर उसकी नाभि में अपनी जीभ चलाने लगा, लेकिन तुरन्त ही सिकदा को जगह की याद आई तो उसने तुरन्त ही मुझसे नीचे चलने के लिये कहा और हम दोनों नीचे आ गये।

नीचे आकर सिकदा ने कोई इंग्लिश म्यूजिक सांग लगाया और उसका वाल्यूम को इतना

धीमा रखा कि कमरे का वातावरण खुद-ब-खुद सेक्सी होने लगा ।

फिर उसने मेरा हाथ अपनी कमर पर और मैंने अपना हाथ उसकी कमर पर रखा और धीरे-धीरे डांस करने लगे ।

डांस करने के साथ ही वो मेरे पिछवाड़े को सहलाती तो कभी मैं उसके पिछवाड़े को सहलाता, इससे हम लोगों का खाना खाने के बाद वाला आलस्य कम होता जा रहा था और हम पर वासना हावी होती जा रही थी ।

सिकदा मेरे पैरों पर अपने पैर रख कर मेरे लम्बाई पर पहुँच कर मेरे होंठों को जोर-जोर से चूसने लगी । उसी समय मैंने उसके बँधे बालों को भी आजादी दे दी तो फलस्वरूप खुल कर उसके कमर से नीचे आ गिरे ।

इतने लम्बे बाल मैंने कभी किसी लड़की के नहीं देखे थे ।

सिकदा मेरे होंठो को चूसना छोड़ कर मेरे पीछे आ गई और मेरे बनियान के अन्दर हाथ डालकर मेरे निप्पल को अपने नाखूनों से कुरेदने लगी ।

इत्तेफाक से मेरा मुँह बिल्कुल दीवार से सटा हुआ था, वो अपने नाखूनों से मेरे शरीर को घायल कर रही थी, धीरे-धीरे नीचे बैठते हुए उसने झटके से मेरा बरमुडा उतार दिया और मेरे पैरों को फैलाकर अपनी जीभ से वो मेरे एक-एक अंग को गीला करते हुए मेरी गाण्ड की दरार में अपनी जीह्वा को चलाने लगी, उसके बाद अपने सर को मेरे टांगों के बीच से निकाल कर मेरे अण्डे को अपने मुँह में लोलीपोप की तरह लेकर चूसती तो कभी मेरे लण्ड के अग्र भाग में अपनी जीभ को इस तरह से रगड़ती कि जैसे कोई बच्चा आईसक्रीम को चाट रहा है ।

उसकी इस हरकत से मेरे लौड़े में हल्का मीठा मीठा दर्द हो रहा था । मैंने तुरन्त सिकदा को को उठाया और तेजी से उसके होठों को चूसने लगा और उसके सारे कपड़े उतार कर उसकी चूचियों को मसलने लगा और वो 'आई...ओह... हुम्म...' जैसी आवाज निकालने लगी,

इस बीच उसने पानी छोड़ दिया।

फिर मैंने उसे गोदी में उठाया और उसने मेरी कमर को अपने पैरों से जकड़ लिया और होंठों की चुसाई में मेरे साथ लीन हो गई, इधर मैं धीरे-धीरे अपने हाथ उसके गोल-गोल चूतड़ को सहला रहा था और उसकी गाण्ड के छेद को कुरेद के उँगली डालने का प्रयास कर रहा था। वो बार-बार मेरी उँगली को हटा देती, लेकिन मैं कहाँ मानने वाला था। थोड़ी कोशिश के बाद मैंने एक उँगली उसके गाण्ड के अन्दर डाल दी और उँगली करने लगा।

कुछ देर बाद सिकदा बोली- यार बुर में खुजली बहुत हो रही है, बर्दाश्त नहीं हो रहा है थोड़ा अपने लण्ड को मेरी मुन्नी की खुजली मिटाने को बोलो !
वो थोड़ा नीचे होकर लौड़े को बुर में डालने का प्रयास कर रही थी।

मैंने तुरंत उसे नीचे उतारा, पास रखे पलंग पर लेटा कर उसकी कमर के नीचे दो तकिया रखा ताकि उसकी बुर और मेरे लौड़े का मिलन हो सके। फिर मैंने इधर-उधर देखा, गरी का तेल लेकर उसके बुर में लगाया और अपने लौड़े में लगाया और उसके बुर के मुहाने से रगड़ने लगा।

सिकदा अपनी चूचियों को मसल रही थी, मैंने सिकदा से कहा- लंड अन्दर जाने पर तुमको दर्द बहुत होगा और तुम चिल्लाओगी। सिकदा बोली- दर्द चाहे जितना हो, मैं नहीं चिल्लाऊँगी, बस मेरी मुनिया की खुजली मिटा दो !

इधर वो यह बात कह ही रही थी, उधर मैंने एक कस कर झटका दिया और एक ही बार में मेरे सुपाड़े ने उसकी गुफा फाड़ते हुए आधा अन्दर चला गया, सिकदा के मुँह से घुटी सी चीख निकली लेकिन सिकदा ने तुरन्त ही अपने होठों को दाँतों से दबा लिया।

सिकदा अभी भी अपनी चूची को मसल रही थी और उसकी आँखों से पानी बह रहा था, पर वो दर्द बर्दाश्त कर रही थी।

मैं बिना हिले डुले उसकी हरकत देख रहा था और उसकी नाभि के आस-पास सहला रहा

था।

धीरे-धीरे उसका दर्द कम होने लगा और उसके ऊपर हावी हो रही थी वासना।

धीरे से उसने कमर को हिलाया जो इस बात का संकेत था कि अब वो मेरे लौड़े को पूरी तरह से अपने अन्दर लेना चाह रही थी।

मैंने थोड़ा सा लंड को बाहर निकाला और ऊपर वाले का नाम लेकर एक जोर से झटका दिया।

‘उईईई ईईईई माँ...’ घुटी घुटी सी आवाज निकली, मैंने तुरन्त उसके होंठों से अपने होंठों को मिला दिया और जोर-जोर से उसके होंठों को चूसने लगा।

सिकदा ने मुझसे अपने होंठों को अलग किया और बोली- मुझे नहीं चुदवाना है। निकाल लो अपना, बहुत जलन हो रही है। मैं उसकी बातों को ध्यान दिये बिना उसकी चूची को मसलता तो कभी उसके होंठों को चूसता और उसकी नाभि में उँगली करता। इस तरह धीरे-धीरे उसके दर्द को कम करने की कोशिश कर रहा था और उसका दर्द कम भी हुआ क्योंकि उसने अपनी कमर हिलानी शुरू कर दी, लेकिन मैं उसी तरह से निरन्तर उसके जिस्म में छोटी-छोटी हरकत कर रहा था कि वो और उत्तेजित हो जाये और हो भी वही रहा था, सिकदा मुझे अपनी तरफ खींच रही थी, वो अपने जिस्म को मेरे से इस तरह से सटा रही थी कि मुझे वो पूरा का पूरा अपने अन्दर ले लेना चाहती थी।

मैं उसकी छटपटाहट को समझ रहा था, मैंने धीरे से अपना लंड थोड़ा बाहर निकाला और एक झटके से सिकदा की बुर में पेल दिया। ‘उईईईई माँ... मर गई... मादरचोद ऐसे न चोद... मैं मर जाऊँगी, धीरे से कर मेरी जान कि मेरी जान भी रह जाये और चुदने का मजा भी आये।’

‘बस मेरी जान अब चुदने का ही मजा आयेगा!’ कहकर मैंने उसकी चूचियों को कस कर मसल दिया और वो मेरी छाती को चूची समझ कर मसल रही थी। अब मैं सिकदा के बुर के

छेद को और ढीला करने में लग गया, अब मैं जितना सिकदा को पेलता, उतना ही सिकदा भी अपनी गाण्ड उठा-उठा कर मुझे और जोर से पेलने के लिये उसकाती, उसके इस तरह से उसकाने से मेरी स्पीड और बढ़ जाती।

पता नहीं सिकदा को चोदते चोदते मेरे लौड़े को क्या हो गया था कि मुझे लग रहा था कि मेरा माल निकलने वाला है पर मुहाने में खुजली भी बहुत हो रही थी, माल निकल नहीं रहा था, और इधर मेरी कमर में भी बहुत दर्द होने लगा था।

अपना माल सिकदा की चूत में डालने के लिये मैं और तेज धक्के लगा रहा था ताकि सिकदा की चूत की दीवार के घर्षण के कारण मेरा माल निकल जाये।

मैं बिना सिकदा को देखे केवल धक्के पे धक्के पेले पड़ा था। पर जब मेरी नजर सिकदा पर पड़ी तो उसका जिस्म अकड़ने लगा और फिर ढीला पड़ गया, जिसका मतलब ये था कि सिकदा अपने चरम को पा चुकी थी और झर चुकी थी, और उसकी बुर का फैलाव भी कम हो रहा था।

दो चार धक्के के बाद में भी बुर के अन्दर ही झर गया था और पस्त होकर सिकदा के ऊपर गिर गया।

मैं बहुत थक गया था इसलिये मैं सिकदा से लिपट गया और मुझे कब नींद आ गई मुझे इसका पता नहीं चला।

कहानी जारी रहेगी!

saxena1973@yahoo.com

Other stories you may be interested in

भाभी की कुंवारी बहन की सीलतोड़ चुदाई

अन्तर्वासना के सभी दोस्तों को मेरा प्रणाम, मेरा नाम पंकज सिंह है. मैं पिछले 3 साल से दिल्ली में पढ़ाई कर रहा हूँ. मेरी उम्र अभी 24 साल है. मेरा कद 5 फुट 9 इंच है. मैं गोरे रंग का [...]

[Full Story >>>](#)

मामा की बेटा की रस भरी चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम परम है और मैं दिल्ली में रहता हूँ। मैं हमेशा से ही हिन्दी सेक्स स्टोरी पढ़ा करता था। आज मैं भी आपको अपने साथ हुई एक सच्ची घटना बताना चाहता हूँ। यह कहानी एकदम सच है। ये [...]

[Full Story >>>](#)

ममेरे भाई ने मेरी कुंवारी चूत की चुदाई की-2

मेरी चूत चुदाई की कहानी के पहले भाग ममेरे भाई के साथ मेरी कुंवारी चूत की चुदाई-1 में अब तक आपने पढ़ा कि मेरे ममेरे भाई अर्पित ने मेरे मामा मामी की गैरमौजूदगी में मुझे सेक्स के लिए पटा लिया [...]

[Full Story >>>](#)

बहन बनी सेक्स गुलाम-9

अभी तक आपने पढ़ा कि मैंने अपनी बहन की चुदाई के कारण हुई थकान के चलते उसकी मालिश की. उसी मालिश के दौरान एक बार मैंने उसकी फड़फड़ाती चूत को चूस कर झाड़ दिया था और उसका रस चाट लिया [...]

[Full Story >>>](#)

शादीशुदा लड़की के साथ बिताये कुछ हसीन पल

दोस्तो, मेरा नाम कुणाल सिंह है। बहुत समय बाद अपने ज़िन्दगी की असली कहानी लिखने जा रहा हूँ। जितना प्यार आपने मेरी पुरानी कहानियों मेरी जयपुर वाली मौसी की जबरदस्त चुदाई चूत जो खोजन मैं चल्या चूत ना मिल्यो कोय [...]

[Full Story >>>](#)

